वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 254 | सोमवार 9 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने पूछी कुशलक्षेम

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को राजस्थान हॉस्पिटल पहुंचकर वहां भर्ती पूर्व मंत्री हीरालाल इंदोरा और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रूपेश पोखरणा की कुशलक्षेम पूछी तथा उनके परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इंदोरा एवं डॉ. पोखरणा के परिजनों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गहलोत ने चिकित्सकों को इंदोरा एवं डॉ. पोखरणा की उचित देखभाल करने के दिशा-निर्देश दिए तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

83 वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलनः स्वागत की तैयारियां पूरी

विधानसभा भवन रोशनी से जगमगाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

83 वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की तैयारियां चल रही है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी समन्वय के लिए सम्मेलन की तैयारियों की जिम्मेदारियां दी गई है। विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति और उपसभापतियों का जयपुर में आगमन सोमवार 9 जनवरी से शुरू हो जायेगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी इस अखिल भारतीय सम्मेलन की तैयारियों पर लगातार नजर रखे हुए है। डॉ. जोशी विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों के बारे में जानकारी ले रहे है। विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर निर्देश प्रदान कर रहे है। विधानसभा भवन पर रोशनी- 83 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दौरान रविवार 8 जनवरी से विधानसभा भवन पर रोशनी की गई है। यह रोशनी विधानसभा भवन पर 13 जनवरी तक की जायेगी। इस दौरान देश के विभिन्न भागों से आये अतिथिगण जयपुर में मौजूद रहेंगे।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव

बहुआयामी गतिविधियों से रूबरू होने उमड़ रहा उत्साही जनज्वार

परवान पर हैं उत्सव के विभिन्न कार्यक्रम, राजस्थान की पर्यावरण नीति और पर्यावरणीय मानकों पर संगोष्ठी में हुआ मंथन पर्यावरणीय मानकों की अनुपालना हर स्तर पर जरूरी: जस्टिस जी.के. व्यास

जयपुर. शाबाश इंडिया

जोधपुर जिला प्रशासन, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जोधपुर, उद्यम प्रोत्साहन संस्थान एवं नोडल एजेंसी **''मरुधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन''** के संयुक्त तत्वावधान व रीको लि., नेशनल जूट बोर्ड, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), भारत संचार निगम लि. हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद्, केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर नगर निगम, जोधपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, एजीएण्डपी प्रथम गैस, नाबार्ड बैंक, जोधपुर आर्टिजन्स वेलफेयर प्रोडयूसर कंपनी लि. एवं मीडियागढ की साझा मेजबानी में रावण का चबूतरा मैदान में चल रहा पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव अब परवान पर है। यह आगामी 15 जनवरी तक

चलेगा। उत्सव के तीसरे दिन रविवार को संगोष्ठी कक्ष में राज्य की पर्यावरण नीति-पर्यावरणीय मानकों पर संगोष्ठी आयोजित हुई। इसमें मुख्य अतिथि राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायाधिपति गोपालकृष्ण व्यास ने कहा कि भगवान शब्द ही 5 तत्वों से मिलकर बना है। यह तत्व जल, वायु, अग्नि, धरती और आकाश में विद्यमान है। उन्होंने इन 5 तत्वों के सृष्टि में व्यापकता के साथ प्रसार पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने एमआईए के पदाधिकारियों से जोधपुर के उद्योगों में पर्यावरणीय मानकों तथा आने वाली समस्याओं-समाधान पर पूरी जानकारी लिखित में राज्य मानवाधिकार आयोग को उपलब्ध करवाने का आग्रह किया और कहा कि एमआईए से प्राप्त सुझावों व समस्याओं पर विस्तार से मंथन एवं पर्यावरणीय मानकों की अनुपालना के साथ इसे राज्य सरकार को अनुशंसित किया जायेगा। उन्होंने खुशी जाहिर की कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रयासों से जोधपुर में बड़े-बड़े तकनीकी शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक संस्थानों की स्थापना हुई।

प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा कारगर प्रयास जारी

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के सदस्य सचिव बी. प्रवीण ने कहा कि उद्योगों के पर्यावरणीय मानकों के अंतर्गत आने वाली समस्याओं के समाधान पर तकनीकी रूप से प्रकाश डाला जायेगा। उन्होंने कहा कि वेस्ट मैनेजमेंट के ट्रीटमेंट पर प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा कई परियोजनाओं के स्टार्ट अप किये गये हैं। उन्होंने चिह्नित उद्योगों से सम्बंधित समस्याओं के समाधान पर भी प्रकाश डालते हुए एनजीटी द्वारा वर्ष 2018 में जारी आदेशों पर भी विस्तार से चर्चा की तथा इस सम्बंध में विशेषज्ञों के सुझाव व पेरामीटर के दौरान आने वाली शंकाओं को दूर करने की आवश्यकता जतायी।

3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्लासिकल डांस फेस्टिवल का समापन

देश दुनिया के 500 से अधिक कलाकारों की नृत्य प्रस्तुतियों ने मोह लिया मन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के सुखाड़िया रंगमंच पर चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शास्त्रीय नृत्य महोत्सव का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन देश-विदेश के कलाकारों ने मोहिनीअट्टम, ओडिसी, कुचीपुड़ी, कथक, भरत नाट्यम, कथकली जैसी अपनी अपनी नृत्य प्रस्तुतियों से सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया। बता दें, ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन, कत्थक आश्रम उदयपुर, दिव्य ट्राइब और बी.बी. क्रिएटिव वर्ल्ड की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव में दोहा, कतर, मलेशिया, थाईलैंड, आसाम, बंग्लादेश सहित भारत के कई राज्यों से 500 से अधिक कलाकारों की 350 मनोहारी प्रस्तुतियां हुई। कथक आश्रम निदेशक चंद्रकला चौधरी ने बताया कि समापन की शाम आयोजित विशेष प्रस्तुतियों से पूर्व अतिथि रूप में अनुष्का एकेडमी से राजीव सुराणा, अर्चना ग्रुप के सौरभ पालीवाल, कथक आश्रम सचिव चंद्रगुप्त सिंह चौहान, बडाला क्लासेस से राहुल बडाला, कॉंग्रेस नेता पंकज शर्मा, एमडीएस स्कूल से शैलेन्द्र सोमानी, मुकेश माधवानी, वसीम जयपुरी, रोहित बंसल, दीपा गोपीनाथ, नोबल स्कूल फालना से अनन्त सिंह, कनिष्क श्रीमाली ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आगाज किया। ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन के निदेशक डॉ. रितेश बाबू ने बताया कि चेन्नई से आये श्रीदेवी नृत्यालय समूह ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति के माध्यम से महादेव की तपस्या और ध्यान को मंच पर साकार किया। दिव्य ट्राइब की डायरेक्टर डॉ. दिव्यानी कटारा ने बताया कि फालना की अदिश्री ने तेरहताली नृत्य, कथक आश्रम के बच्चों ने नाथद्वारा के जगन्नाथ प्रसाद द्वारा गाई कथक ठुमरी पर कृष्ण लीला को जीवंत किया। बी.बी.क्रिएटिव वर्ल्ड के निदेशक विकास जोशी ने बताया कि शास्त्रीय नृत्य के इस महोत्सव में कलाकारों ने 'मुरली मनोहर कृष्ण कन्हैया यमुना के तट पर बिराजे है....' गीत पर मोहक प्रस्तुति दी वहीं दिवीजा चौधरी द्वारा राजस्थानी भवाई नृत्य, कुमोदी मोहाले, वैदेही दशोरा और दिव्यांशी माहेश्वरी द्वारा महाभारत के प्रसंगों पर दर्शकों की तालियां बटोरी।

रिपोर्ट/फोटोः
राकेश शर्मा
'राजदीप' मोबाइल:9829050939

बालोतरा पहुंचने पर आचार्य महाश्रमण एवं उनकी धवल सेना का केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने किया स्वागत

बालोतरा. शाबाश इंडिया

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने रविवार को जैन श्वेतांबर तेरापंथ के आचार्य महाश्रमण के अपने श्रावक श्राविकाओं की धवल सेना के साथ औद्योगिक नगरी एवं गृह क्षेत्र बालोतरा पहुंचने पर स्वागत एवं अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय संत आचार्य महाश्रमण जी का आगमन हम सब क्षेत्रवासियों के लिए सौभाग्य की बात है। उनके सानिध्य एवं मार्गदर्शन से निश्चित रूप से हम सबके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने बालोतरा शहर में प्रवेश से पहले आचार्य महाश्रमण की अगवानी करके कार्यकर्ताओं के साथ उनका अभिनंदन किया। बालोतरा पहुंचने के बाद केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी सहित कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में आचार्य महाश्रमण ने कहा कि राजनीति देश के लिए जरूरी है। इसीलिए राजनीति में निस्वार्थ सेवा एवं इमानदारी का भाव होना चाहिए क्योंकि राजनीति का दूसरा नाम ही सेवा कार्य है। उन्होंने कहा कि राजनीति हो या व्यापार सभी के अपने सिद्धांत होते है। उन सिद्धांतों का पालन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए ताकि जीवन में लोग आपको याद करें। इस दौरान आचार्य महाश्रमण ने नशे से दूर रहने की भी सीख दी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने उपस्थित आमजन एवं कार्यकर्ताओं से आचार्य महाश्रमण की शिक्षाओं को जीवन में अंगीकार करने का आह्वान किया।

तन एवं मन की ऊर्जा के बिना धर्म सम्भव नहीं: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

ऐतिहासिक मुरेना नगर प्रवेश पर हाथी ने दी सलामी, पूर्व विधायक कंषाना ने माताजी की अगवानी की

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। हम कोई भी कार्य करते हैं तो हमें ऊर्जा की आवश्यकता होती है, परिश्रम करना पड़ता है, मेहनत करनी होती है ।लेकिन धर्म के लिए हमें मेहनत नहीं करनी पड़ती। धर्म करने के लिए हमें केवल मन की जरूरत होती है ।जब तक मन की ऊर्जा नहीं होगी, हम धर्म कर ही नहीं सकते। आप सभी आज यहां धर्म सभा में बैठे हैं, कोई मेहनत नहीं करनी पड़ रही । आराम से बैठकर धर्म उपदेश सुन रहे हैं ।मुरेना नगर प्रवेश के अवसर पर गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी बड़े जैन मंदिर में धर्म सभा को संवोधित कर रहीं थी। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र से मुरेना नगर प्रवेश हेतु स्वस्तिधाम प्रणेत्री, भारत गौरव, विदुषी लेखिका परम-पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने विहार

किया ।मुरेना नगर की सीमा वैरियर चौराहा पर मुरेना सकल जैन समाज के साधर्मी बन्धुओं के विशाल जन समुदाय ने पूज्य आर्यिका संघ की भव्य अगवानी की ।जैसे ही गणिनी आर्यिका माताजी ने मुरेना नगर की सीमा में प्रवेश किया विशाल जनसमुदाय के साथ गजराज हाथी ने पूज्य माताजी के चरणों मे नतमस्तक होकर अगवानी की ।मंगल प्रवेश की शोभायात्रा में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी, क्षुल्लिका सर्वेन्द्रमति माताजी, बा.ब्र. बहिन अनीता दीदी, प्रियंका दीदी, ललिता दीदी सौभाग्यशाली महिलाओं के साथ आगे आगे चल रहीं थी ।बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों के साथ भजनों की प्रस्तुति पर महिलाएं एवं बच्चें भक्ति भाव के साथ नृत्य कर चलायमान थे। मोर पंखों से सुसज्जित बालक-बालिकाओं ने मयूर नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध किया। भव्य एवं विशाल शोभायात्रा सूबात रोड, पुल तिराहा, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, सराफा बाजार, लोहिया बाजार होती हुई बड़े जैन मंदिर पहुचीं। समारोह के दौरान जगह जगह साधर्मी बन्धुओं ने पाद प्रक्षालन एवं आरती कर पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी की। मुरेना के पूर्व विधायक एवं म.प्र. पिछड़ावर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष रघुराजसिंह कंषाना ने अपने निज निवास पर पूज्य आर्यिका माताजी को नमन करते हुए उनका भावभीना स्वागत किया। बड़े जैन मंदिर के प्रवेश द्वार पर सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा सिर पर कलश रखकर, रंगोली व चौक बनाकर, आरती उतार कर पूज्य आर्यिका माताजी का पाद प्रक्षालन कर स्वागत किया।

वेद ज्ञान

देवता का अर्थ प्रकाश

देवता संस्कृत भाषा के दिव धातु से बना है जिसका अर्थ प्रकाश है। सूर्य को प्रथम और प्रत्यक्ष देवता इसीलिए कहा गया है कि वह प्रकाश के साथ जड़-चेतन को ऊर्जा देता है। जब खुद के या किसी अन्य के जीवन में अंधेरा दिखाई पड़े तो उसे आत्मबल की ऊर्जा देकर कोई भी व्यक्ति देवता की श्रेणी में खड़ा हो सकता है। मानव देवी-देवता की पूजा-आराधना करता है। वह किसी एक देवता को ईष्ट बनाए या अन्यान्य देवी-देवताओं की पूजा जब करे तो इस बात पर जरूर ध्यान दे कि जिस देवी-देवता की पूजा की जा रही है वे क्यों पूजनीय हुए? जिन कार्यों से वे पूजनीय और वंदनीय हुए वही आचरण पूजक को अपने जीवन में अपना कर पूजनीय व्यक्तित्व बनाने का कार्य करना चाहिए। ऐसा नहीं कि हम पूजा तो भगवान विष्णु, भगवान शंकर, मां दुर्गा की करें और आचरण रावण या लंकिनी-डंकिनी का करें। यह तो और घातक है। रावण, कंस या धृतराष्ट्र जैसे परम शक्तिशाली राजा तक हर पल डरे-डरे रहते रहे। डर व्यक्ति के शरीर और मन पर घातक असर डालता है। कोई भी व्यक्ति छल-छद्म, धोखा-विश्वासघात, शोषण और उत्पीड़न में संलग्न है तो एक अज्ञात भय उसमें धीरे-धीरे समाने लगता है। जबकि सदाचार का जीवन बनाने से आत्मबल मजबूत होता है। जिंदगी में विपरीत स्थितियां मनुष्य की परीक्षा लेती हैं। इस हालत में सबसे पहले धैर्य बनाए रखना चाहिए। इसी के साथ सत्य एवं सदाचार को मजबूती से धारण रखना चाहिए। विपरीत हालात में आलस्य का भाव उत्पन्न होता है। काम में मन नहीं लगता। ऐसी स्थिति में आनन-फानन में बिना सोचे-समझे कोई नकारात्मक कदम उठा लेने पर उसके गंभीर परिणाम ही होंगे। उलटे-पलटे काम से हमेशा डर बना रहेगा। तात्कालिक लाभ का मतलब विधिक सिद्धांतों के खिलाफ किया गया कार्य है। फिर तो उसे छुपाने के लिए झूठ-फरेब का आवरण ओढ़ना पड़ता है जो मनुष्य को देवता नहीं दैत्य की श्रेणी में ले जाता है। मन में ग्लानि भी होने लगती है, लेकिन बाह्य स्तर पर आदर्श की बात करनी पड़ती है। जीवन में द्वंद्व उत्पन्न होता है जो सर्वाधिक कष्टदायी स्थिति होती है। मन धिक्कारता है। घर-परिवार या समाज में साहस के साथ खड़े होने में हिचक होती है। बचाव के उपाय ढूंढ़ने पड़ते हैं।

संपादकीय

उच्च शिक्षा में भारतीय विद्यार्थियों के लिए नए अवसर

अब विदेशी विश्वविद्यालय भी भारत में अपने परिसर खोल सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसका मसविदा पेश कर दिया है। हालांकि यह प्रस्ताव पुराना है, पर अब उसे अमली जामा पहनाया जा सका है। कई विदेशी विश्वविद्यालय बरसों से भारत में अपने परिसर खोलने के इच्छुक थे, मगर कुछ तकनीकी अड़चनों और शिक्षा की गुणवत्ता, पढ़ाने-लिखाने के तौर-तरीके के नियमन, शुल्क आदि को लेकर कई शंकाओं के चलते यह प्रस्ताव टलता आ रहा था। निस्संदेह इस नीति से उच्च शिक्षा में भारतीय विद्यार्थियों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने फिलहाल विदेशी विश्वविद्यालयों को दस साल के लिए मंजूरी देने का प्रावधान रखा है। उनके प्रदर्शन को देखते हुए नौ साल बाद फिर उनका नवीकरण किया जाएगा। दाखिला प्रक्रिया और शुल्क निर्धारण के मामले में इन विश्वविद्यालयों को स्वतंत्रता होगी। पर इससे यह सुविधा तो होगी कि बहुत सारे भारतीय विद्यार्थियों को अपने देश में रह कर ही विदेशी विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को पढ़ने की सुविधा मिल जाएगी।

बहुत सारे विद्यार्थी इसलिए बाहरी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने जाते हैं कि यहां के विश्वविद्यालयों में वैसे पाठ्यक्रम नहीं हैं, जो उनमें हैं। अब वे पाठ्यक्रम अपने देश में भी उपलब्ध हो सकेंगे। इससे स्वाभाविक ही अपने यहां के सरकारी और निजी विश्वविद्यालय भी उनकी प्रतिस्पर्धा में ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रयास करेंगे। हमारे यहां एक बड़ी समस्या यह भी है कि बढ़ती आबादी के अनुपात में स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालय खोलना सरकार की क्षमता से बाहर होता गया है। शिक्षा पर अपेक्षित बजट न होने के चलते सबके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना चुनौती बना हुआ है। ऐसे में निजी संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाने लगा। इस तरह निजी स्कूल और कालेजों की बाढ़ तो आ गई, मगर उनमें मिलने वाली शिक्षा की कीमत चुकाना हर किसी के वश की बात नहीं रह गई है। इसलिए भी निजी शिक्षण संस्थान सदा आलोचना का विषय रहे हैं। हालांकि बहुत सारे निजी शिक्षण संस्थानों ने विदेशी विश्वविद्यालयों के अनुरूप पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वातावरण देने का प्रयास करते हैं, पर इस पहलू पर भी असंतोष ही देखा जाता है। ऐसे में विदेशी विश्वविद्यालयों के हमारे यहां परिसर खुलेंगे, तो यहां के निजी शिक्षण संस्थानों पर भी उनसे प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। फिर उन विश्वविद्यालयों में बहुत सारे प्रतिभावान लोगों को शिक्षण के अवसर भी पैदा होंगे। प्रतिभा पलायन पर कुछ हद तक रोक लगने की गुंजाइश भी बनेगी। जो मुद्रा विदेशी विश्वविद्यालयों में जा रही है, वह अपने देश में रुक सकेगी। नई शिक्षा नीति में एक वादा यह भी है कि निजी स्कूलों में शुल्क आदि के निर्धारण का व्यावहारिक पैमाना तय किया जाएगा, जिससे स्कूलों की मनमनी फीस वसूली पर लगाम लगाई जा सके। पर निजी और विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को इस मामले में छूट क्यों है?

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विवाद की परिधि

पिछले कुछ समय से न्यायाधीशों की नियुक्ति और इससे जुड़े अन्य सवालों को लेकर व्यवस्थागत मसले पर सरकार और न्यायपालिका के बीच जिस तरह की खींचतान देखी जा रही है, वह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। हाल में नौबत यहां तक पहुंच गई थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में कालिजियम प्रणाली पर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव जैसी स्थिति बनती देखी गई। हालांकि यह ऐसा विषय है, जिस पर सरकार और न्यायपालिका को मिल कर कोई ठोस हल निकालने का प्रयास करना चाहिए था, लेकिन विडंबना यह है कि फिलहाल कुछ सकारात्मक संकेतों के बावजूद इस समस्या के हल के बिंदु स्पष्ट नहीं हो पा रहे हैं, जबकि इससे जुड़े प्रश्नों से उपजी जटिलताएं अब भी बरकरार हैं। इसी मसले पर अब संसद की एक समिति ने भी हैरानी जताई है कि सरकार और उच्चतम न्यायालय करीब सात साल बाद भी कालिजियम प्रक्रिया ज्ञापन पर आपस में कोई सहमति बनाने में विफल रहे हैं। यह प्रक्रिया ज्ञापन शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्त, पदोन्नति और तबादले से जुड़ा है। गौरतलब है कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच इस मुद्दे पर पिछले सात साल से विचार-विमर्श चल रहा है और दोनों पक्षों ने इस पर कई मौकों पर आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया है। विचित्र है कि जो मामला समूचे न्यायपालिका के ढांचे को प्रभावित करता है और इसका असर मुकदमों की सुनवाई या न्यायिक गतिविधियों की रफ्तार पर पड़ता है, उसके समाधान तक पहुंचने को लेकर पर्याप्त सक्रियता नहीं दिख रही। जबकि आए दिन यह सवाल उठता रहता है कि देश की विभिन्न अदालतों पर मुकदमों का कितना बोझ है और न्यायालयों की रिक्तियां भरने के मामले में समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए जाते। अदालतों में जजों के खाली पदों के समांतर व्यवस्थागत स्थिति यह है कि सरकार सिर्फ उन्हीं को उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करती है, जिनकी सिफारिश शीर्ष अदालत के कालिजियम की ओर से की जाती है। कुछ समय पहले कानून मंत्री ने संसद में कहा था कि जब तक न्यायाधीशों की नियुक्ति का तरीका नहीं बदलेगा, तब तक नियुक्तियों और खाली पदों पर सवाल उठते रहेंगे। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर देश भर की अदालतों में जरूरी तादाद में न्यायाधीश नहीं हैं, तो इसके क्या कारण हैं। ऐसे में संसदीय समिति की ओर से व्यक्त आश्चर्य स्वाभाविक ही है कि जो मसला कई स्तर पर न्यायिक गतिविधियों को प्रभावित करता रहा है और आज उस पर एक तरह से सरकार और शीर्ष अदालत दो पक्ष बन गए दिख रहे हैं, वह इतने लंबे वक्त से विचार के बावजूद किसी ठोस हल तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि खुद संसदीय समिति की रिपोर्ट में न्याय विभाग की ओर से दिए गए विवरणों के हवाले से बताया गया कि 2021 में उच्च न्यायालय के कालिजियम द्वारा दो सौ इक्यावन सिफारिशें की गई थीं। यह एक उदाहरण भर है। यह छिपा नहीं है कि देश के न्यायालयों और खासतौर पर निचली अदालतों में मुकदमों के अंबार और न्याय में देरी की क्या वजहें हैं। फिलहाल ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति और खाली पदों की समस्या का हल करने के लिए स्पष्ट पहलकदमी की जरूरत है। यों शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन देते हुए केंद्र सरकार ने कहा है कि न्यायिक नियुक्तियों पर जो समय सीमा है, उसका पालन किया जाएगा और लंबित पड़े कालिजियम की सिफारिशों को जल्दी ही मंजूरी दे दी जाएगी।

नेट थिएट पर शास्त्रीय गायन

भानु ने सुरसागर में श्रोताओं को लगवाए आनंद के गोते

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रदेश के उदयीमान शास्त्रीय संगीत के युवा गायक भानु कुमार राव ने विभिन्न राग रागिनीयों की बंदिश सुना कर संगीत का आनंद ले रहे श्रोताओं को सुर सागर में गोते लगवा कर आनंदित किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि नव वर्ष के पहले कार्यक्रम के अंतर्गत कलाकार भानु ने शास्त्रीय संगीत की अविरल धारा बहाई । उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरूआत राग पूरिया धनाश्री की बंदिश पायलिया झंकार से की । इसके बाद खमाज में एक ठुमरी श्यामसुंदर बनवारी प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया । भानु ने रागेश्वरी में झनक श्याम की पैजनिया और यमन में रानी तेरो चिरजीवो गोपाल गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया । उन्होंने जयपुर के प्रसिद्ध भक्त कवि युगल जी का लोक भजन कांई जादू कर दिनो, थाकी याद आवै छै के बाद अंतिम प्रस्तुति के रूप में भैरवी में भवानी दयानी गाकर किया । कार्यक्रम में संगीत के प्रखंड विद्वान और रामचरितमानस के प्रखर वक्ता गुरु महेश रामायणी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने भानु की गायकी को सराहा और नेट थिएट के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे युवा कलाकारों के लिए एक सशक्त मंच बताया। वरिष्ठ रंगकर्मी ईश्वर दत्त माथुर द्वारा संचालित इस शास्त्रीय संगीत संध्या में भानु की गायकी में तबले पर अशरफ अकबर ने अपनी उंगलियों का जादू ऐसा चलाया कि दर्शक वाह-वाह कर उठे । इनके साथ हारमोनियम पर माधव सक्सेना ने सधी हुई संगत की। कार्यक्रम में प्रकाश मनोज स्वामी, कैमरा कैमरा जितेंद्र शर्मा, मंच व्यवस्था देवांग सोनी, रेनू शर्मा और जीवितेश शर्मा की रही।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में

अपने जीवन का लक्ष्य स्वयं निर्धारित करोः आचार्य श्री सुनील साखर जी महाराज

सांगानेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 84 लाख भवों में भटकने के बाद हमें जो जीवन मिला है उसका शुभोपयोग करना ही हमारा कल्याण का मार्ग है क्योंकि मनुष्य पर्याय में ही हमारा कल्याण संभव है, अन्य पर्याय में नही। इसलिये अन्य पयार्यों के जीवों की भांति केवल खाना और विचरना ही अपने जीवन का लक्ष्य मत बनाओं और अपने जीवन में हमें बडा होकर क्या बनना है इसका निर्धारण भी स्वयं को ही करना है किसी और को इसका अधिकार मत देना। अधिकार दो, तो सिर्फ सभी मार्गदर्शक देव शास्त्र गुरू को ही देना जो हमारे शुभचिंतक है। युवा पीढी को सचेत करते हुये आचार्यश्री ने कहा कि बुरे व्यसनों के वश में होकर आज की युवा पीढी बेहोश हो रही है। हम संसार में बेहोश होने के लिये थोडे ही आयें है, हम तो होश में आने के लिये आये है। जितना जल्दी हो होश में आ जाओ और अपने जीवन को सार्थक बना लो। आचार्यश्री से प्रभावित हो, नन्ही सी बालिका तमन्ना जैन बांसवाडा ने धर्मसभा में आजीवन जंकफूड का त्याग कर अपनी उत्तम भावना व्यक्त की। आज इसी बाल कलाकार की सोशल मूवी ''**कांकोली के** राम'' का प्रीमियम शो का प्रसारण जयपुर के कई सिनेमा घर में होगा। इससे पूर्व संगीतमती माताजी ने गुरूमहिमा का गुणगान करते हुये कहा कि पुष्पों की पहचान उनकी खुशबू से की जाती है वेसे ही मनुष्यों की पहचान उनके गुणों से बनती है, अतः हमें गुणवान बनने का साधन साधना होगा। मानदमंत्री श्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि आज देवाधिदेव आदिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक/ शान्ति धारा का पुण्यार्जन अशोकनगर निवासी ऋषभ जैन परिवार ने प्राप्त किया। धर्मसभा में आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, आचार्य संघ को शास्त्र भेंट एवं पादप्रक्षालन दि.जैन श्रेष्ठी कीर्तिकुमार जी सांभरबाडी, परिवार ने कर पुण्यार्जन प्राप्त किया। मन्दिर कमेटी के प्रेमचन्द बज, सुरेश कासलीवाल, राकेश रांवका, संजय छाबडा, ज्ञानचन्द सौगाणी नरेन्द्रबज एवं अन्य पदाधिकारियों ने अंकली, ईचलकरंजी, सेलम, कुंजवन उदगांव से पधारे हुये सभी श्रेष्ठियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या ने किया।

जैन सोश्यल ग्रुप अप टू डेट ने किया सरस डेयरी प्लांट का अवलोकन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप अप टू डेट के सदस्यों ने जयपुर स्थित सरस डेयरी के प्लांट का अवलोकन कर यहा की कार्यप्रणाली को समझा। जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन और सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया की सदस्य डेयरी में आटोमेटिक मशीनों से पैक हो रहे दुग्ध उत्पादों को देख रोमांचित हो उठे। कार्यक्रम संयोजक राजीव जैन और सुनील बाकलीवाल ने सभी सदस्यों को गांव के स्तर पर दूध एकत्रित कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की प्रक्रिया को समझाया।

शिखरजी बचाओ अभियान के अंतर्गत नमोकार पाठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला संगठन स्नेहिल वनिता संघ की अध्यक्षा श्रीमति लताजी ने बताया कि अतिशय क्षेत्र बैनाड में शिखरजी पर्वत को पर्यटन से मुक्त कर पवित्र जैन तीर्थ घोषित करने के उपलक्ष्य में वंहा सभी महिलाओं ने एक घंटे का नमोकार का जाप किया तथा भगवान चन्द्र प्रभू से प्रार्थना की कि यह कार्य शीघ्र हो। महामंत्री श्रीमति मणि कोठारी ने महिला संगठन के बारे में बताया तथा कोषाध्यक्ष श्रीमति डां शान्ति जैन ने सभी महिलाओ का आभार व्यक्त किया ।

शक्ति का प्रयोग पॉजिटिव काम में करें: साध्वी डॉक्टर विद्युत प्रभा श्रीजी

4 दिन के प्रवास के बाद साध्वी मंडल ने किया मंगल विहार

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

जैन श्वेतांबर मंदिर मे विराजित साध्वी डॉ विद्युत प्रभा श्री जी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि इंसान को अपनी शक्ति का प्रयोग पॉजिटिव कार्यों में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर को दिखाने मात्र से बीमारी ठीक नहीं होगी बीमारी ठीक करने के लिए दवाईया लेनी पड़ती है। समुद्र से भी विशाल ह्रदय परमात्मा का पूज्य साध्वी श्री ने कहा कि आज का इंसान डॉक्टर, इंजीनियर और वकील की बात मान रहा है उन पर विश्वास और भरोसा जता रहा है। लेकिन समुद्र से भी विशाल ह्रदय वाले परमात्मा की वाणी पर विश्वास नहीं रखता। जैसे मोबाइल आजकल ऑल इन वन है, इसी प्रकार परमात्मा भी आल इन वन है। जो इंसान अपने मन को परमात्मा और गुरु के अनुसार चलाएं वह सबसे बड़ा अमीर है।

परमात्मा के बताए रास्ते पर चलने की सीख दी

साध्वी श्री कहा कि परमात्मा के बताए रास्ते पर सभी को चलना चाहिए उस रास्ते की सारी तकलीफ और परेशानियां तो स्वयं परमात्मा ने चल कर दूर कर दी है। जिस रास्ते का निर्माण परमात्मा ने किया है। उस पर चुपचाप चलना है।उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि पैसा कमाने की होड़ कर सकते हो तो आराधना करने में भी होड़ होनी चाहिए। खुद के मालिक तो बन नहीं सकने वाला इंसान दुनिया का मालिक बनने की सोच रखता है, जो गलत है। मेरी आज्ञा चलनी चाहिए, यह सोच इंसान के तनाव का कारण है। मनुष्य जीवन किसी प्रार्थना से या ऊपहार या लॉटरी से नहीं मिलता,लाखों जीवन की तपस्या करने के बाद मिलता है उसे अच्छे कार्यों में लगावें। जैन श्वेतांबर श्री संघ के अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया की साध्वी मंडल रामगंजमंडी में 4 दिन प्रवास किए और रविवार को दोपहर की बेला में कोटा के लिए विहार कर गया। कोटा के बाद भीलवाड़ा और फिर बाड़मेर जाएंगी साध्वी विद्युत प्रभा । श्रीजी के मंगल विहार में श्री संघ के लोग रामगंज मंडी से विहार मे रविवार की शाम ढाबादेह स्थित राम भगत मोदी की कोठी पर पहुंचे पैदल विहार में श्री संघ के रवि बापना,सुरेंद्र रांका, सौरभ तिल्लानी, गौरव बाफना,विनोद डोसी, संकेत बाफना, प्रदीप चतर,सुभाष बाफना, गजेंद्र छाजेड़, विकास बाफना एवं पूर्व पार्षद साक्षी पारख साथ रहे।

भींडर में जरूरतमंद लोगों को भोजन पैकेट और वस्त्र वितरण 14 को

विधायक ने किया आयोजन के बैनर का विमोचन

भींडर. शाबाश इंडिया।

चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुनील सागरजी महाराज की मंगल प्रेरणा आशीर्वाद से भींडर में आगामी 14 जनवरी को आदिब्रम्हा आदिनाथ फाउंडेशन भींडर की ओर से कार्यालय सिंघवी निवास के बाहर मकर सक्रांति पर्व के उपलक्ष में गरीब जरूरतमंद लोगों को भोजन पैकेट एवं वस्त्र का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। फाउंडेशन के आयोजन के बैनर विमोचन का शनिवार को बडगांव में जनसंपर्क के दौरान वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेन्द्रसिंह शक्तावत, संस्था निदेशक अनिल स्वर्णकार, संगीता गांगावत, डालचंद नागदा ने किया। इस अवसर पर चंद्रप्रकाश मेनारिया, अब्दुल कादिर, सलीम मोहम्मद पिंजारा,सोहन लाल खटीक, दलीचंद जाट, विक्रम सिंह देवड़ा, किशन कुमावत,कामेश जाट आदि मौजूद थे। फाउंडेशन की ओर से विधायक का शॉल , उपरना द्वारा स्वागत किया गया। अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

मरुधर ओसवाल समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में हुआ 51 यूनिट का रक्तदान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मरुधर ओसवाल समाज द्वारा दिवंगत अध्यक्षों एवं सचिवों की पुण्य स्मृति में पहली बार रविवार दिनांक 8 जनवरी को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:30 तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर का उद्घाटन राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय आर यू एच एस के कुलपति डॉक्टर एवं प्रोफेसर सुधीर भंडारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मरुधर ओसवाल समाज के जेके सिंघी अध्यक्ष , जितेंद्र भंडारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,पुनीत सिंघवी सचिव, रौनक सिंघवी संयोजक , पदमचंद गांधी संयुक्त सचिव, नवीन मेहता ,कमल मेहता पूर्व अध्यक्ष एवं अन्य समाज के गणमान्य लोग एवं प्रबुद्ध महिलाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के निदशक एवं समाज के उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार शाह अपनी टीम के साथ उपस्थित हुए। बड़े ही उत्साह के साथ इस अवसर पर प्रवीण भंडारी, विनीत मेहता, डॉ मोहित गांधी, मनन बाफना चिंतन बाफना, केतन मेहता, रौनक सिंघवी एवं अन्य युवाओं ने रक्तदान कर संघ का गौरव बढ़ाया। शिविर में इस अवसर पर कुल 51 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर के साथ में जयपुर कैंसर रिलीफ सोसायटी द्वारा कैंसर जागरूकता के लिए सुधींद्र गेमावत, श्रीमती सुभाष मोटवानी एवं अनिता बोथरा ने कैंसर बचाव की जानकारियां दी। रक्त एकत्रण के लिये आर यू एच एस जयपुरिया हॉस्पिटल, जयपुर से आई टीम के डॉक्टर विनोद कुमार गुप्ता एवं 11 सह कर्मियों द्वारा सेवाएं दी गई जिनका कार्य सराहनीय रहा उनके सहयोग के लिए समाज द्वारा हार्दिक अभिनंदन कर धन्यवाद दिया गया ।

जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो, जयपुर के सत्र 2023-25 के चुनाव सम्पन्न

चेतन निमोडिया अध्यक्ष ,आशीष जैन सचिव बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी दम्पत्ति सदस्यों की संस्था जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई की शाखा जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो, जयपुर के सत्र 2023-25 हेतु चुनाव सम्पन्न हुए। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि निर्विरोध हुए चुनावों में चेतन जैन निमोडिया अध्यक्ष,सुशील बाकलीवाल उपाध्यक्ष, आशीष जैन सचिव, पंकज वैद सयुक्त सचिव, अरुण जैन कोषाध्यक्ष एवं सुनील पाटनी मुख्य समन्वयक चुने गए। चुनाव अधिकारी शिखर चन्द जैन के मुताबिक विनोद जैन कोटखावदा संस्थापक अध्यक्ष,कमल वैद निवर्तमान अध्यक्ष, मनीष बैद,दीपक गोधा पूर्व अध्यक्ष पदेन कार्यकारिणी सदस्य तथा मुकेश पाटनी, नरेश बाकलीवाल, प्रदीप जैन, सुशील जैन सहित 11 कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

चकवाडा में हुई शांतिनाथ महामंडल विधान की पूजा अर्चना

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी चकवाड़ा में अतिशय क्षेत्र श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आज शांतिनाथ महा मंडल विधान की पूजा हुई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त विधान फागी उपखंड के सबसे वरिष्ठ एडवोकेट, प्रथम विधि स्नातक भंवर लाल जैन एडवोकेट के स्वर्गवास होने के उपलक्ष में उनकी आत्मा की शान्ति के लिए उनके परिजनो अशोक कुमार, विमल कुमार, डॉ प्रमोद कुमार जैन बाकलीवाल चकवाड़ा परिवार द्वारा उक्त विधान की पूजा अर्चना करवायी गयी। जानकारी पर ज्ञात हुआ कि भंवरलाल जैन एडवोकेट ने अपने जीवन के कार्यकाल में 50 वर्ष तक वकालत करते हुए कार्य क्षेत्र में सेवा की तथा 90 वर्ष की आयु में परलोक सिधार गए।

भगवान शांतिनाथ के कलशाभिषेक किए, शांति मंडल विधान की पूजा

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर चौधरीयान पुरानी टोंक में रविवार को आचार्य इंद्र नंदी एवं मुनि क्षमा नंदी महाराज के सानिध्य में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए पात्र चयन समारोह का आयोजन हुआ । समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि शांतिनाथ मंदिर चौधरियन पुरानी टोंक में 24 फरवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए रविवार को आचार्य इंद्र नदी एवं क्षमा नंदी महाराज के सानिध्य में पात्र चयन समारोह आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत प्रातः बेला में शांतिनाथ भगवान महावीर भगवान आदिनाथ भगवान मुनीसुव्रत नाथ भगवान का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की गई । नरेश चौधरी ने बताया कि आचार्य इंद्र नंदी का पाद प्रक्षालन प्रेमचंद सूरजमल सोनी एवं जिनवाणी भेंट मिलापचंद नितेश कुमार लूंगया द्वारा किया गया । तत्पश्चात शांति मंडल विधान की रचना की गई जिसमें मंडप रचना शुद्धिकरण सकलीकरण मंगल कलश स्थापित कर इंद्र-इंद्राणीयो सुनील सारिका, सतीश

प्रतिभा, राजेश निशा, नरेश बीना, राजकुमार संतोष, निर्मल इंदिरा, रमेश अनीता आदि ने भक्ति नृत्य करते हुए श्री जी को 148 अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए। राजकुमार चौधरी ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए पात्र चयन किए गए जिसमें सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य रमेश चंद अनीता देवी, संजय कुमार रिंकू अनोपड़ा को मिला। सतीश चौधरी ने बताया कि ग्यारह अखंड सौभाग्यवती एवं आठ अष्ट कुमारियों का चयन भी किया गया । सायंकाल क्षीर सागर से जल लाकर भगवान शांतिनाथ का कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर समाज के सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर द्वारा विधान पूजन का आयोजन

जयपुर.शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर द्वारा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नेवटा में भगवान पदम प्रभु की पूजन, कलशा अभिषेक, शांतिधारा एवं अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। ग्रुप अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य विनोद जैन शास्त्री तथा सचिव सोभागमल जैन ने बताया कि ग्रुप द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों की कड़ी मे ये भव्य आयोजन नेवटा मे भक्ति भाव के साथ भव्य रूप मे आयोजित किया गया ।

डॉ. अखिल बंसल पत्रकार प्रवर से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

विगत 42 वर्षों से नियमित प्रकाशित पाक्षिक पत्र के संपादक, अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री डा.अखिल बंसल को श्रीनाथ द्वारा में आयोजित दो दिवसीय डा.भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह 2023 में राष्ट्र भाषा हिन्दी सम्पादन के क्षेत्र में अनुपम योगदान हेतु साहित्य मण्डल श्रीनाथ द्वारा ने शताधिक कलमकारों के मध्य पत्रकार प्रवर की मानद उपाधि से सम्मानित किया। साहित्यिक प्रतिष्ठान के प्रधान श्याम देवपुरा व उनके सहयोगियों द्वारा प्रशस्तिपत्र, श्रीनाथ जी का चित्र, शाल, श्रीफल ,कलम व अंगवस्त्र भेंट किया। इस अवसर पर अथाई समूह व संपादक संघ के साथियों के बधाई संदेशों का तांता लग गया।

सुबोध नंदन लगातार तीसरी बार राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार से सम्मानित

नंदन को उनकी किताब 'बिहार के ऐतिहासिक गुरुद्वारे' के लिए पुरस्कार, इससे पूर्व 'बिहार के पर्यटन स्थल और सांस्कृतिक धरोहर' और 'बिहार के मेले' को मिल चुका है पुरस्कार

पटना। बिहार के पत्रकार सुबोध कुमार नंदन को उनकी तीसरी पुस्तक 'बिहार के ऐतिहासिक गुरुद्वारे' को पर्यटन मंत्रालय की ओर से राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार योजना (वर्ष 2019-20) के तहत तृतीय पुरस्कार मिला है। लगातार तीसरी बार पुरस्कार पाने वाले सुबोध नंदन देश के पहले व एकमात्र लेखक हैं । पुरस्कार के रूप में नंदन को 20 हजार रुपये के साथ प्रमाण-पत्र दिया गया है। तीनों पुस्तकों का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन (नयी दिल्ली) ने किया है। इससे पहले सुबोध नंदन को उनकी पहली पुस्तक 'बिहार के पर्यटन स्थल और सांस्कृतिक धरोहर' को राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार योजना (वर्ष 2009-10) के तहत प्रथम पुरस्कार मिला था।। वहीं दूसरी पुस्तक 'बिहार के मेले' को(वर्ष 2011-12) में इसी योजना के तहत सांत्वना पुरस्कार मिला था। उस वर्ष उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशांक को उनकी पुस्तक 'हिमालय का महाकुंभ नंदा राजजात' को प्रथम पुरस्कार मिला था । इससे पूर्व पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा व जागरुकता पैदा करने के लिए वर्ष 2003 में नंदन को बिहार सरकार ने पर्यटन सम्मान प्रदान किया था।

जैन सोश्यल ग्रुप सनशाइन ब्यावर के चुनाव सम्पन्न

विक्रम सांखला अध्यक्ष, प्रतीक खटोड़ सचिव बने

ब्यावर. शाबाश इंडिया

शहर की प्रतिष्ठति समाजसेवी संस्था जैन सोश्यल ग्रुप सनशाइन, ब्यावर के सत्र 2023-25 के चुनाव सम्पन्न हुये। सचिव रूपेश कोठारी ने बताया कि चुनाव अधिकारी वैभव सुखलेचा एवं पंकज जैन के द्वारा निम्न पदाधिकारियों को निर्वरोध निर्वाचित घोषित किया गया : अध्यक्ष विक्रम सांखला, उपाध्यक्ष महेन्द्र नाहटा, सचिव प्रतीक खटोड़, संयुक्त सचिव अमित कवाड़, कोषाध्यक्ष कमल पगारिया, P.R.O सुमित श्रीश्रीमाल को निर्वाचित घोषित किया गया ।इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। वर्तमान अध्यक्ष अरुण रुनिवाल ने चयनित पदाधिकारीयों को शुभकामनाएं देते हुये निर्विरोध निर्वाचन के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com